भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1017
उत्तर देने की तारीख 02.12.2024

जनजातीय आबादी की अनूठी सांस्कृतिक और धार्मिक प्रथाएँ

1017. श्री जसवंतसिंह सुमनभाई भाभोर :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश भर में विभिन्न जनजातीय आबादी द्वारा अपनाई जा रही अनूठी सांस्कृतिक और धार्मिक प्रथाओं को समझने के लिए कोई अध्ययन कराया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) उन भौगोलिक क्षेत्रों का ब्यौरा क्या है जहां यह अध्ययन किया गया था;

(ग) अध्ययन की वर्तमान स्थिति क्या है और अध्ययन को पूरा करने के लिए निर्धारित समय-सीमा का ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): जी, हां। संस्कृति मंत्रालय के अधीनस्थ कार्यालय, भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण (एएनएसआई) द्वारा निम्नलिखित परियोजनाओं के अंतर्गत पूरे देश के विभिन्न जनजातीय लोगों में प्रचलित अनोखे सांस्कृतिक और धार्मिक रीति-रिवाजों को समझने हेतु कतिपय अध्ययन संचालित किए गए हैं:

(i) पीपल ऑफ इंडिया परियोजना - एएनएसआई ने भारत के सभी जनजातीय समुदायों सहित 4635 समुदायों के बीच व्यापक फील्ड कार्य किया है। इस वृहत अध्ययन के निष्कर्षों को इन समुदायों के सांस्कृतिक, सामाजिक और धार्मिक रीति-रिवाजों को प्रलेखित करते हुए 43 राज्य-वार पुस्तक खंडों में संकलित किया गया था।

(ii) विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) का मानववैज्ञानिक अध्ययन- एएनएसआई ने 75 विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों का विस्तृत अध्ययन किया जिसमें उनकी सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों, विकास की स्थिति और अन्य नृजातीय पहलुओं पर ध्यान केन्द्रित किया गया। प्रत्येक पीवीटीजी के लिए संक्षिप्त नृजातीय प्रोफाइल तैयार किया गया और निष्कर्षों को 2016 में "द पर्टिक्युलर्ली वलनरेबल ट्राइबल ग्रुप्स ऑफ इंडिया : प्रिविलेजिस एंड प्रेडिकामेंट्स" पुस्तक में प्रकाशित किया गया।

(iii) विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्ध-घुमन्तु समुदायों का नृजातीय अध्ययन- एएनएसआई ने 280 विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्ध-घुमन्तु समुदायों का नृजातीय अध्ययन किया है। एक विस्तृत रिपोर्ट सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय और नीति आयोग को प्रस्तुत की गई थी। इस परियोजना के भाग के रूप में कई जनजातीय समूहों से संबंधित नृजातीय नोट्स भी तैयार किए गए थे।

ये अध्ययन पूरे देश में आयोजित किए गए हैं।

(ग) और (घ): पूर्वोक्त अध्ययन पूरे किए जा चुके हैं।

****